

Mental Health Nursing, 03

Q. मानसिक रोगियों के प्रति गलत अवधारणाओं या भेदभाव का वर्णन कीजिए।
Describe misconception or discrimination towards mentally ill persons.

उत्तर- मानसिक रोगों या रोगियों के प्रति गलत अवधारणाएं (Misconception towards mental illness) -

समाज के लोगों में मानसिक रोगों के प्रति गलत अवधारणाएं मुख्यतया अंधविश्वास व अज्ञानता के कारण उत्पन्न होती हैं जो निम्न है -

1. मानसिक रोग का कारण दैवीय शक्ति होती है (Mental illness is due to super natural powers) -

आदिकाल से मनोरोगों का कारण दैवीय शक्तियों को माना जाता रहा है।

कई बार इसे पिछले जन्म में किए गए पापों की सजा के रूप में भी माना जाता रहा है।

गांवों व पिछड़े इलाकों में आज भी मानसिक रोग को दैवीय प्रकोप समझ कर उनका इलाज झाड़-फूंक आदि से किया जाता है, इससे मानसिक रोग में और वृद्धि हो होती है।

2. मानसिक रोग आनुवांशिक होते हैं (Mental illness is hereditary)

सामान्यतया यह माना जाता है. कि मानसिक रोगी की संतान हमेशा मानसिक रोगी ही उत्पन्न होगी जो कि हमेशा सही नहीं होता है। इस कारण रोगियों को एकांकी जीवन

व्यतीत करना पड़ता है।

3. मानसिक रोगों का उपचार नहीं है (Mental illness is not curable)

लोगों में यह भी आमधारणा है कि मानसिक रोगों का कोई उपचार नहीं होता है जबकि यह गलत है क्योंकि आजकल आधुनिक चिकित्सा द्वारा न सिर्फ मानसिक रोगों का उपचार किया जाता है, बल्कि उनका पूर्ण स्वास्थ्य पुनः प्राप्त करने में आधुनिक चिकित्सा सहायक है।

4. मानसिक रोग जीवन-पर्यंत रहता है (Mental illness is life long) -

लोगों में यह गलत धारणा बनी हुई है कि एक बार यदि किसी व्यक्ति में मानसिक रोग उत्पन्न हो जाए तो वह जीवन पर्यंत मानसिक रोग से ग्रसित रहता है, परन्तु यह गलत है क्योंकि आजकल समुचित उपचार के बाद व्यक्ति मानसिक रोग से मुक्त होकर सामान्य जीवन व्यतीत कर सकता है।

5. मानसिक रोग सामाजिक कलंक होता है (Mental illness is social stigma)

मानसिक रोग में व्यक्ति का व्यवहार विचित्र व असामान्य होता है, इस कारण परिवार की समाज में प्रतिष्ठा गिरती है।

अतः उससे बचने के लिए परिवार के लोग मानसिक रोगी का उपचार नहीं करवाते हैं जिससे रोग में वृद्धि होती है।

6. मानसिक रोग संक्रामक होते हैं (Mental illness is contagious)

अधिकांश लोग यह मानते हैं कि अन्य शारीरिक रोगों की तरह मानसिक रोग भी संक्रामक होते हैं जो एक व्यक्ति द्वारा निकट के व्यक्ति में प्रसारित हो सकते हैं।

अतः परिवार के सभी सदस्य मानसिक रोगी से दूरी बनाकर रखते हैं, इस प्रकार रोगी का पृथक्करण कर दिया जाता है।

7. मानसिक रोगी ज्यादा खतरनाक होते हैं (Mentally ill person are more dangerous) -

लोगों में यह आम धारणा है कि सभी मानसिक रोग उग्र व हिंसात्मक होते हैं लेकिन केवल कुछ रोग mania आदि में रोगी द्वारा उग्र व्यवहार प्रदर्शित किया जाता है।

8. एक सामान्य व्यक्ति कभी असामान्य नहीं हो सकता है (A normal person is never be abnormal) -

यह एक गलत धारणा है क्योंकि यदि स्वस्थ व्यक्ति लम्बे समय तक मानसिक रोग उत्पन्न करने वाले कारकों के सम्पर्क में रहे तो वह भी मानसिक रोग से ग्रसित हो सकता है।

9. मानसिक रोगियों का उपचार केवल पागल खाने में ही सम्भव है (Mentally ill person can be treated only in asylum) -

मानसिक रोगियों के बारे में यह माना जाता है कि उनका उपचार केवल मानसिक अस्पताल में ही सम्भव है. परन्तु यह गलत अवधारणा है क्योंकि अधिकांशतः मानसिक रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है सिर्फ गम्भीर मानसिक रोगों हेतु ही रोगी को अस्पताल में भर्ती करवाया जाता है।

10. मानसिक रोगी का व्यवहार हमेशा विचित्र होता है। (Behaviour of mentally ill patient is always bizare) -

यह माना जाता है कि सभी मानसिक रोगियों का व्यवहार असामान्य या विचित्र प्रकार

का होता है।

यह गलत अवधारणा है क्योंकि सभी रोगी विचित्र व्यवहार प्रदर्शित नहीं करते हैं, उनका व्यवहार बाहरी तौर पर सामान्य हो सकता है।

अतः ऐसे रोगियों को पहचानना बहुत मुश्किल कार्य होता है।

11. मानसिक रोग की सम्भावना बच्चों व वयस्कों को कम होती है (Possibility of mental illness in children and adults is less) –

यह माना जाता है कि मानसिक रोग सबसे अधिक प्रौढ़ अवस्था में होते हैं जबकि बच्चों व वयस्कों में इनकी सम्भावना कम होती है। यह गलत धारणा है क्योंकि शोध के अनुसार सबसे अधिक मानसिक रोग होने की सम्भावना 18-25 वर्ष की आयु में होती है।

12. समय के साथ-साथ मानसिक रोग ठीक हो जाता है (Mental illness is cure with time) -

मानसिक रोग बिना इलाज के ठीक नहीं होता है। अतः समय पर उसका इलाज न करने पर वह बढ़ता जाता है तथा गम्भीर लक्षणों के साथ प्रकट होता है।

Wrong concepts about mental diseases are mainly caused by superstition and ignorance in the society, which are as follows -

1. Mental illness is due to super natural powers -

Divine powers have been considered the cause of mental illnesses since ancient times.

Sometimes it has also been considered as a punishment for sins committed in the previous life.

Even today in villages and backward areas, mental illness is considered as divine wrath and is treated with exorcism etc., which further increases mental illness.

2. Mental illness is hereditary -

It is generally believed that the children of a mentally ill will always be mentally ill, which is not always true. Due to this, the patients have to live a lonely life.

3. Mental illness is not curable

It is also a common belief among people that there is no treatment for mental illnesses, but this is wrong because nowadays modern medicine not only treats mental illnesses, but modern medicine is also helpful in regaining their complete health.

4. Mental illness is life long -

There is a wrong belief among people that once a person develops a mental illness, he remains suffering from it for life, but this is wrong because nowadays after proper treatment, a person can get rid of mental illness and live a normal life.

5. Mental illness is social stigma

In mental illness, the behavior of the person is strange and abnormal, due to which the prestige of the family falls in the society.

So, to avoid it, the family members do not get the mental patient treated, due to which the disease increases.

6. Mental illness is contagious

Most people believe that like other physical diseases, mental illnesses are contagious too which can spread from one person to the nearby person.

So all the family members keep a distance from the mentally ill person, thus the patient is isolated.

7. Mentally ill person are more dangerous -

It is a common belief among people that all mental illnesses are violent and aggressive but only in some diseases like mania etc. the patient displays violent behaviour.

8. A normal person can never be abnormal -

This is a wrong belief because if a healthy person stays in contact with the factors causing mental illness for a long time, then he

can also suffer from mental illness.

9. Treatment of mentally ill person is possible only in asylum -

It is believed that treatment of mentally ill is possible only in mental hospital. But this is a wrong concept because most of the mental diseases can be treated at home, only for serious mental diseases the patient is admitted in the hospital.

10. Behavior of mentally ill patient is always bizarre -

It is believed that the behavior of all the mental patients is abnormal or bizarre. This is a wrong concept because all the patients do not display bizarre behavior, their behavior can be normal externally. Hence, it is very difficult to identify such patients.

11. Possibility of mental illness in children and adults is less -

It is believed that mental diseases occur most in adulthood while their possibility is less in children and adults. This is a wrong notion because according to research, the highest probability of getting mental illness is in the age group of 18-25 years.

12. Mental illness is cured with time -

Mental illness is not cured without treatment. Therefore, if it is not

treated on time, it keeps on increasing and appears with serious symptoms.

Q. मनोरोग नर्सिंग के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

Describe the principles of psychiatric nursing.

उत्तर - मनोरोग विज्ञान नर्सिंग के मूल सिद्धांत (Basic principles of psychiatric nursing) -

प्रत्येक व्यक्ति में मूलभूत योग्यता, क्षमताएं और सामर्थ्य आदि गुण होते हैं। इन गुणों का विकास भावनात्मक वातावरण में अधिक तेजी से होता है।

अतः ये सिद्धांत रोगी की सुरक्षा, सुविधा व विकास के लिए भावनात्मक वातावरण तैयार करने में सहायता करते हैं व इसके साथ ही इन सिद्धांतों के प्रयोग द्वारा नर्स की ऊर्जा व समय की बचत होती है। मनोरोग नर्सिंग के सिद्धांत निम्नलिखित हैं-

Every person has basic abilities, capabilities and strengths etc.
These qualities develop more rapidly in an emotional environment.

So these principles help in creating an emotional environment for the safety, comfort and development of the patient and along with this, the nurse's energy and time is saved by using these principles. The principles of psychiatric nursing are as follows-

1. रोगी को उसकी वास्तविक स्थिति में स्वीकार करना

(Accept the patient exactly as he is)

2. चिकित्सकीय उपकरण के रूप में स्वयं की समझ को काम में लेना
(Use self understanding as a therapeutic tool)
3. रोगी में सुरक्षा की भावना बनाए रखने के लिए सतत व्यवहार करना
(Use constant behaviour to increase the patient's security)
4. रोगी को स्वीकारात्मक तरीके से विश्वास प्रदान करना
(Give reassurance to the patient in a acceptable manner)
5. रोगी के व्यवहार में बदलाव भावनात्मक अनुभवों के आधार पर लाना
(Change the patient behaviour through emotional experience)
6. रोगी में अनावश्यक चिंता की वृद्धि को रोकना चाहिए
(Prevent unnecessary anxiety in patient)
7. उपचारात्मक एवं यर्थाथवादी नर्स रोगी संबंध को बनाए रखना
(Maintain therapeutic and realistic nurse patient relationship)
8. रोगी के व्यवहार को समझने हेतु वस्तुनिष्ठ व अनिर्णायक दृष्टिकोण रखना

(Maintain objective and non judgement attitude to understand patient behaviour)

9. शारीरिक और मौखिक दबाव से यथा सम्भव बचें

(Avoid physical and verbal force as much as possible)

10. मनोरोग विज्ञान नर्सिंग में रोगी के व्यवहार व उसके कार्यों को समझने का प्रयत्न करना चाहिए।

(In psychiatric nursing try to understand the behaviour and work of patient)

11. रोगी के ज्ञान स्तर के अनुसार उसकी देखभाल में काम आने वाली विधियां उसे समझाई जानी चाहिए

(Explain the procedure to patient according to his understanding level use in his care)

12. नर्स द्वारा रोगी की देखभाल के समय नर्सिंग के मूल सिद्धांतों का पालन करना चाहिए

(Nurse should maintain basic nursing principles during caring of patient)

13. अन्य सिद्धांत -

- नर्स को एक अच्छे श्रोता के रूप में रोगी के विचारों को सुनना चाहिए।
- नर्स द्वारा रोगी से वार्तालाप उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए।
- नर्स को रोगी में हमेशा व्यवसायिक रूचि होनी चाहिए न कि व्यक्तिगत।

Other principles -

- The nurse should listen to the patient's views as a good listener.
- The conversation between the nurse and the patient should be purposeful.
- The nurse should always have a professional interest in the patient and not a personal one.